>

Title: Reported deaths caused by encephalitis in the country.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): सभापति महोदय, मैं आपका संरक्षण चाहता हूं क्योंकि मैं बहुत महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर सदन का ध्यान आकर्षित कर रहा हूं। इनसिफिलाइटिस से पूर्वी उत्तर प्रदेश के 35 जिले और देश के 26 राज्य प्रभावित हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1978 से लगातार इस बीमारी से मौतें हो रही हैं। एक अनुमान के अनुसार अब तक एक लाख मासूम बच्चे इस बीमारी से मर चुके हैं और लगभग इतने ही शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांग हुए हैं। यह केवल पिछले सात वर्षों के पूर्वी उत्तर प्रदेश के आंकड़े हैं। मैं सात जिलों के आंकड़े इस सदन बताना चाहता हूं। मैंने पिछले वर्ष 31 अगस्त को कालिंग अटैंशन प्रस्तुत किया था, इस संबंध में माननीय मंत्री ने स्वयं स्वीकार किया था कि इनसिफिलाइटिस से 2005 में 6061 मरीज भर्ती हुए जिनमें से 1500 की मौत, वर्ष 2006 में 2320 मरीज भर्ती हुए जिनमें 528 की मौतें, वर्ष 2007 में 3024 मरीज भर्ती हुए जिनमें से 995 की मौतें, वर्ष 2008 में 3015 मरीज भर्ती हुए जिनमें 684 की मौत, वर्ष 2009 में 784 की मौत हुई। मेरे पास बीआरडी मेडिकल कालेज गोरखपुर के पिछले और इस वर्ष के आंकड़े हैं जिनके अनुसार वर्ष 2010 में 3503 मरीज भर्ती हुए, 514 की मौत हुई। इस वर्ष अब तक 3275 मरीज भर्ती हुए हैं जिनमें से 618 की मौत हो चुकी है। मैं लगातार 13 वर्षों से इस सदन में इस मुद्दे का उठा रहा हूं। आप भी पिछले ढाई वर्ष से देख रहे होंगे कि कोई सेशन नहीं है जिसमें मैंने इस सदन में इनसिफिलाइटिस के उन्मूलन और प्रभावी रोकथाम के लिए कदम उठाने की लगातार मांग न की हो। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि जो बीमारी देश के 26 राज्यों में और प्रदेश के 35 जिलों में मासूम बच्चों को निगल रही है उसे केंद्र सरकार मात्र राज्य का विषय बनाकर इस देश के भविष्य के साथ सीधे-सीधे खिलवाड़ कर रही है। यद्यपि इस संबंध में माननीय अध्यक्ष जी ने कालिंग अटैंशन की बात कही थी लेकिन मुझे संसद की कार्यवाही बाधित होने के कारण अवसर नहीं मिला है। यह बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है।

सभापति महोदय : आप क्या कहना चाहते हैं?

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): महोदय, यह विषय बहुत महत्वपूर्ण है।

सभापति महोदय : आपके कहने से और महत्वपूर्ण हो गया है।

योगी आदित्यनाथ : 2010 में मेरे कालिंग अटैंशन पर माननीय मंत्री जी ने इस सदन के सामने जो आश्वासन मुझे दिये थे, उन आश्वासनों को अब तक सरकार ने पूरा नहीं किया है। बी.आर.डी. मैडिकल कालेज में इस बार दवा के अभाव में मासूम बच्चे मरे हैं, लेकिन वहां आज तक रिहैबिलिटेशन सैन्टर प्रारम्भ नहीं हो पाया है।

इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि जो महामारी इस बार उत्तर प्रदेश के 35 जिलों और देश के 26 राज्यों में हैं, वह केवल एक राज्य का विषय नहीं है। उसके लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम बनाया जाए और इसके उन्मूलन के लिए एक कार्य योजना तत्काल लागू की जाए।

मेरी दूसरी मांग है कि गोरखपुर में जो वायरल रिसर्च सैंटर है, उस वायरल रिसर्च सैंटर को उच्चीकृत किया जाए। क्योंकि पिछले 33 वर्षों से वायरस का पता नहीं लग पाया है। वहां पर जब भी हम लोग इस बारे में पूछते हैं तो कोई जे.ई. कहता है, कोई वी.ई. कहता और कोई ए.ई.एस. के नाम पर भरमा देता है, इस तरह से वहां पूरा पूर्वी उत्तर प्रदेश इस भंवरजाल में फंसा हुआ है कि वायरस कौन सा है। वहां मासूम मर रहे हैं, तड़प-तड़प कर मर रहे हैं। अभी भी वहां मौतें हो रही है। लगातार चार से छः मौतें रोजाना बीआरडी मैडिकल कालेज में हो रही हैं। इसलिए मैं चाहता हूं कि बीआरडी मैडिकल कालेज के वायरल रिसर्च सैंटर को पर्याप्त मात्रा में सहायता प्रदान की जाए। क्योंकि उत्तर प्रदेश के उच्च न्यायालय, इलाहाबाद ने भी इस संबंध में केन्द्र और प्रदेश सरकार को सितम्बर, 2007 में डायरेक्शन दी थी कि दोनों उसे आर्थिक मदद देकर उच्च क्षमता का शोध केन्द्र गोरखपुर में स्थापित करें।

मेरी तीसरी मांग यह है कि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत जो पैसा उत्तर प्रदेश को दिया जा रहा है, उसमें इनसिफलाइटिस उन्मूलन के लिए भी अलग से राशि प्रदान की जाए।

मेरी चौथी मांग है कि सैंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर जे.ई. गोरखपुर में स्थापित करने के लिए सरकार कदम उठाये।

मेरी पांचवी मांग है कि इनसिफलाइटिस से बचाव एवं रोकथाम के लिए व्यापक जन-जागरण हेतु सरकार कदम उठाये।

सभापति महोदय : इस बार आपका भाषण बहुत प्रभावी हो रहा है।

योगी आदित्यनाथ : मेरी छठी मांग है कि इनसिफलाइटिस से प्रभावित क्षेत्रों में साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल की आपूर्ति एवं दवा के छिड़काव के संबंध में सरकार कार्रवाई करे।

मेरी सातवी मांग है कि इनसिफलाइटिस से जो बच्चे शारीरिक और मानसिक से अक्षम हुए हैं, उन बच्चों के रिहैबिलिटेशन के लिए, उनके पुनर्वास के लिए जो रिहैबिलिटेशन सैंटर बी.आर.डी. मैडिकल कालेज, गोरखपुर में खोलने का आश्वासन सरकार ने दिया था, उसे तत्काल प्रारम्भ किया जाए।

सभापति महोदय : श्री कमल किशोर जी, आप बोलिये, लेकिन बोलने के बाद जाएं नहीं, बैठे रहें।